>

Title: Renovation of Sujan Ganga lake and the historical fort in Bharatpur parliamentary constituency of Rajasthan.

श्री रतन सिंह (भरतपुर): मेरे संसदीय क्षेत्र भरतपुर के संभागीय मुख्यालय में किले के आस-पास सुजानगंगा झील पूर्व महाराजाओं द्वारा निर्मित है। सुजानगंगा में पूर्व में सदैव शुद्ध जल भरा हुआ रहता था जो शहरवासियों के दैनिक उपयोग में महत्वपूर्ण रूप से काम में लिया जाता था। झील के आसपास स्थित लगभग 54 कुंओं का पानी शहर में पेयजल की आपूर्ति हेतु काम में लिया जाता था। इन कुंओं में पानी सुजानगंगा के द्वारा रिचार्ज होता रहता एवं ये कुएं भी शुद्ध जल से भरे हुए रहते थे। परंतु समय के बदलाव के साथ यह झील एक बड़े सैप्टिक टेंक का आकार का रूप ले चुकी है जिसके कारण आसपास के कुंएं भी सूख गए एवं इनका पानी भी प्रदूषित हो चुका है। भरतपुर जिले के ऐतिहासिक किले एवं झील का संरक्षण कार्य आर्कियोलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा किया जाता है जो संस्कृति मंत्रालय के अधीन है। अभी हाल की वर्षा में सुजानगंगा झील की बड़ी दीवार एवं मुख्य प्रवेश द्वार के साथ चोबूर्जा घोड़ा गेट भी टूट गया एवं पानी में ढह गया है। इससे आसपास के घरों एवं दुकानों को काफी क्षति हुई है। सुजानगंगा की कुल परिधि लगभग 4 किलोमीटर है जो अधिकतर जीर्ण-शीर्ण व टूटी हुई है। किले की दीवारों में जगह-जगह दरारें हो गई एवं इसमें लगे पत्थर खिसक रहे हैं। अतः इस किले के प्रवेश द्वार एवं किले का समुचित रखरखाव होना अति आवश्यक है।

सरकार से अनुरोध है कि उपरोक्त किले एवं सुजानगंगा झील की तत्काल मरम्मत के लिए 20 करोड़ की व्यवस्था केन्द्र स्तर पर शीघ्र करवाई जाए।